web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 16 जून 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 259

महत्वपूर्ण एवं खास

मुंबई में इमारत ढहने से दो महिलाओं की मौत

मुंबई (आरएनएस)। शुक्रवार देर रात वडाला में एक झुग्गी बस्ती में चार मंजिला इमारत का एक हिस्सा गिरने से उसकी चपेट में आईं दो महिलाओं की मौत हो गई। यह जानकारी बीएमसी आपदा नियंत्रण विभाग ने दी है। घटना एंटॉप हिल इलाके में विजय नगर की झुग्गियों में रात करीब 9.30 बजे हुई। इमारत की दीवार और ऊपरी मंजिल का एक हिस्सा ढह गया और कुछ हिस्से लटके हुए हैं। मौके पर पहुंची मुंबई फायर ब्रिगेड की टीम ने मलबे से दो लोगों को बाहर निकाला। बीएमसी ने बताया कि उन्हें सायन अस्पताल ले जाया गया, जहां मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की पहचान 45 वर्षीय शोभादेवी मौर्य और 50 वर्षीय जाकिरुन्निसा शेख के रूप में हुई है। मलबा हटाने का काम जारी है। इस घटना में किसी और के हताहत होने की जानकारी नहीं है।

पत्नी से तंग आकर मुंबई पुलिस के कांस्टेबल ने की खुदकुशी, रोज होती थी लड़ाई

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई पुलिस में तैनात एक कांस्टेबल ने पारिवारिक झगड़े से परेशान होकर खुदकुशी कर ली है। बताया जाता है कि पत्नी से आए दिन उसकी लड़ाई होती थी और तंग आकर उसने खुदकुशी कर ली। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक़ कांस्टेबल का नाम विजय सालुंखे है। उसकी उम्र 38 साल है। कांस्टेबल विजय मुंबई के शाहुनगर पुलिस स्टेशन में तैनात था। पुलिस के मुताबिक विजय तबियत खराब होने की वजह से 30 मई से छुट्टी पर था। 14 जून के दिन शाम साढ़े आठ बजे के करीब विजय ने मुंबई के सायन इलाके के प्रतीक्षा नगर में स्थित अपने घर मे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वडाला टीटी पुलिस ने कांस्टेबल की खुदकुशी की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लिया। जब मृतक कांस्टेबल विजय की कपड़ों की तलाशी ली गई तब उसके पैंट से एक सुसाइड नोट मिला जिसमें आत्महत्या की वजह का खुलासा हुआ। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक प्राथमिक रूप से देखकर यही लगता है कि कांस्टेबल हर दिन के पारिवारिक झगड़े से परेशान हो गया था और इसीलिए उसने आत्महत्या जैसा बड़ा कदम उठाया। फ़िलहाल वडाला टीटी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुणे पोर्शे कार दुर्घटना मामला

आरोपी किशोर को राहत नहीं, बॉम्बे हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका, 20 जून को होगी अगली सुनवाई

पुणे (आरएनएस)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 'पुणे पोर्शे कार दुर्घटना' के आरोपी 17 वर्षीय किशोर को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है. हाईकोर्ट ने किशोर की निगरानी होम रिमांड 25 जून तक के लिए बढ़ा दी है. अब इस मामले में अगली सुनवाई 20 जून को होगी. दरअसल, आरोपी की चाची ने बॉम्बे हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी. इसमें किशोर को अवैध हिरासत में रखने का दावा करते हुए उसकी तत्काल रिहाई की मांग की थी. इस पर कोर्ट ने कहा कि अभी अंतरिम राहत देते हुए रिहा करने की जरूरत नहीं है. सुनवाई के दौरान पुणे पुलिस ने अभियोजकों के माध्यम से किशोर की सुरक्षा का हवाला देते हुए उसे 14 दिन के लिए निगरानी गृह में रखने का अनुरोध किया था. आरोपी किशोर की चाची ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में कहा था कि यह एक दुर्घटना थी और जिस व्यक्ति के वाहन चलाने के बारे में कहा जा रहा है वह नाबालिग था. वहीं पुणे पुलिस का प्रतिनिधित्व करने वाले सरकारी वकील हितेन वेनेगांवकर ने याचिका की स्वीकार्यता को चुनौती दी और दलील दी कि किशोर सुधार गृह में कानूनी हिरासत में है. बता दें, यह घटना 19 मई 2024 को घटी थी, जब किशोर नशे की हालत में तेज गति से पोर्शे कार चला रहा था. इस दौरान उसकी कार पुणे के कल्याणी नगर इलाके में एक बाइक से टकरा गई थी. इस हादसे में दो सॉफ्टवेयर इंजीनियर- अनीश अवधिया और अश्विनी कोष्टा की मौत हो गई थी.

उत्तराखण्ड में अलकनंदा में गिरा टेंपो ट्रैवलर, 14 की मौत

रुद्रप्रयाग | आरएनएस

रुद्रप्रयाग जिले के पास एक टेंपो ट्रैवलर अलकनंदा में गिरा गया। वाहन में 26 यात्री सवार बताए जा रहे हैं। हादसे में 14 यात्रियों की मौत हो गई। दल नई दिल्ली से चोपता-तुंगनाथ-चंद्र्रशिला ट्रेकिंग पर जा रहा था।

उत्तराखंड ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रुद्रप्रयाग के समीप रैंतोली में एक वाहन दुर्घनाग्रस्त होकर 250 मीटर गहरी खाई में अलकनंदा नदी किनारे जा गिरा। इस हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई। 10 की घटनास्थल में ही दम तोड़ दिया था। इसके अलावा दो की मौत जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग और दो की मौत एम्स ऋषिकेश में हुई है। हादसे में घायल 13 लोगों में सात का जिला चिकित्सालय में इलाज चल रहा है। जबकि 5 एम्स में भर्ती हैं।

हादसे का कारण वाहन चालक को झपकी आना बताया जा रहा है। साथ ही वाहन में सवार 23 लोगों में अधिकांश भी नींद में थे। शुक्रवार देर रात्रि को नई दिल्ली से अलग-अलग जगह के 23 युवाओं का दल टेंपो- ट्रेवलर में चोपता-तुंगनाथ-चंद्रशिला ट्रेकिंग के लिए रवाना हुआ था।

दस लोग मौके पर ही मृत मिले- शनिवार को ऋषकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर पूर्वाह्न लगभग 11.30 बजे वाहन रुद्रप्रयाग के समीप रैंतोली में अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे बने आरसी पैरापिट तोडक़र सीधे गहरी खाई में अलकनंदा नदी किनारे जा गिरा। हादसे की सूचना पर प्रशाशन, पुलिस, जिला आपदा प्रबंधन, एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंची और रेस्क्यू में जुट गईं।

मौके पर 10 लोग मृत मिले। अन्य 16 घायलों को लगभग दो घन्टे में गहरी खाई से सडक़ में लाकर जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। घायलों में सात को गंभीर हालत के चलते केदारनाथ यात्रा में संचालित हेलिकॉप्टर से एम्स ऋषकेश रेफर किया गया। जहां, दो की मौत हो गई। इधर, जिला चिकित्सालय में भर्ती घायलों में भी दो की मौत हो गई। हादसे पर डीएम, एसपी ने गहरा दुख जताया है। दोनों अधिकारियों के नेतृत्व में घायलों का यथाशीघ्र उपचार दिलाया गया और कम से कम समय में गंभीर को हायर सेंटर रेफर किया गया।

पंजीकरण जांच के लिए रोका गया था वाहन- दुर्घटनाग्रस्त वाहन चारधाम यात्रा का नहीं था। इसलिए वाहन का ट्रिप कार्ड नहीं बनाया गया था। साथ ही यात्रियों का पंजीकरण भी नहीं था। ट्रिप कार्ड व पंजीकरण की बाध्यता सिर्फ चारधाम वाहनों व यात्रियों के लिए है। बताया जा रहा है कि जब ब्रहमपुरी में वाहन को पंजीकरण जांच के लिए रोका गया तो चालक ने चोपता तुंगनाथ ट्रिप पर जाने की बात कही। जिस पर वाहन को चेक पोस्ट से छोड़ दिया गया। वाहन में सभी सवार युवा थे। जो चोपता-तुंगनाथ-चंद्रशिला की ट्रिप पर पर निकले थे। वाहन हरियाणा का था। जिसका एक साल पहले ही पंजीकरण किया गया था। वाहन के सभी दस्तावेज पूर्ण थे। वाहन में यात्री दिल्ली से बैठाए गए थे।

सीएम धामी ने हादसे पर जताया दुख- हादसे के खबर पर दुख जताते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि टेंपो ट्रैवलर के दुर्घटनाग्रस्त होने का अत्यंत पीड़ादायक समाचार प्राप्त हुआ। स्थानीय प्रशासन व एसडीआरएफ की टीमें राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हुई है। घायलों को नज़दीकी चिकित्सा केंद्र पर उपचार के लिए भेज दिया गया है। ज़िलाधिकारी को घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगतों की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों को यह असीम कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करें। बाबा केदार से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। मुख्यमंत्री शाम 5.45 बजे एम्स, ऋषिकेश जाकर गंभीर घायलों का हालचाल जानेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जताया दुख- उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में हुई सडक़ दुर्घटना पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दुख जताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि मेरी संवेदनाएं इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के साथ हैं। स्थानीय प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमें राहत व बचाव कार्य में जुटी हैं और घायलों को हर सम्भव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ।

पूर्व सीएम हरीश रावत ने की शोक संवेदना व्यक्त- रुद्रप्रयाग घटना पर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा कि मृतकों की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना करता हूं और जो घायल हैं उनके स्वास्थ्य के लिए कामना करता हूं। उनको बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जाए राज्य सरकार से याचना करता हूं। इस समय पर्वतीय क्षेत्रों में दुर्घटनाएं बढ़ गई हैं। इस पर चिंता करने की आवश्यकता है।

50 फीट गहरे बोरवेल में गिरी बच्ची की मौत, 17 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

अहमदाबाद | आरएनएस

गुजरात के अमरेली जिला के सुरगापारा गांव में 45-50 फीट गहरे बोरवेल में गिरी एक मामूम बच्ची की मौत हो गई. बच्ची को बचाने के लिए 16-17 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया. लेकिन शनिवार सुबह बच्ची ने को मृत घोषित कर दिया गया. अग्निशमन अधिकारी एचसी गढ़वी ने बताया कि, बच्ची को सुबह 5:10 बजे बोरवेल से बाहर निकाला गया. उसके बाद उसे अमरेली सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया. इस घटना के बाद केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पंशेरिया ने गुजरात के लोगों से खुले बोरवेल को बंद करने की अपील की.

बच्ची को बोरवेल से जिंदा निकालने के लिए घंटों रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया. रेस्क्यू ऑपरेशन में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), अमरेली अग्निशमन दल और 108 एम्बुलेंस सेवा के कर्मियों ने संयुक्त रूप से अभियान में लगे रहे. इस रेस्क्यू ऑपरेशन को शुक्रवार दोपहर 12.30 बजे शुरू किया गया था. जो शनिवार सुबह तक जारी रहा. 16-17 घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद भी बच्ची को बचाया नहीं जा सका. बोरवेल से निकालने के बाद बच्ची को तुरंत अमरेली सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

इससे पहले शुक्रवार को केंद्रीय राज्य मंत्री प्रफुल्ल पंशेरिया ने राज्य के लोगों से खुले बोरवेल के बारे में सरकार को सूचित करने का अनुरोध किया था. पानशेरिया ने कहा, मैं गुजरात में सभी से अनुरोध करता हूं कि यदि आप बोरवेल बंद नहीं कर सकते हैं, तो कृपया हमें सूचित करें. यदि आप ऐसा नहीं कर सकते हैं, तो कृपया हमें एक संदेश भेजें या हमें एक पत्र भेजें. मानवता के लिए काम करें. उन्होंने कहा कि, चार महीने पहले द्वारका में भी इसी तरह की घटना हुई थी. उस समय, मैंने शिक्षकों से अपील की और हमने लगभग 35-40 बोरवेल बंद कर दिए. मुख्यमंत्री ने खुले बोरवेल के संबंध में एक पत्र भी जारी किया है.

बता दें कि इसी तरह की एक घटना राजस्थान के अलवर जिले में भी हुई थी, जहां लक्ष्मणगढ़ इलाके के कनवाड़ा गांव में एक पांच साल का बच्चा 40 फुट गहरे बोरवेल में गिर गया था. हालांकि बच्चे को सुरक्षित बचा लिया गया. इससे पहले 14 अप्रैल को मध्य प्रदेश के रीवा जिले के जनेह थाना क्षेत्र के मनिका गांव में एक छह वर्षीय बच्चा खेत में खुले बोरवेल में गिर गया था. 45 घंटे के लंबे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बच्चे को बाहर निकाल लिया गया. लेकिन उनकी जान नहीं बची.

फिर सामने आया कोरोना का नया वैरिएंट, जेएन.1 से भी खतरनाक

नईदिल्ली | आरएनएस

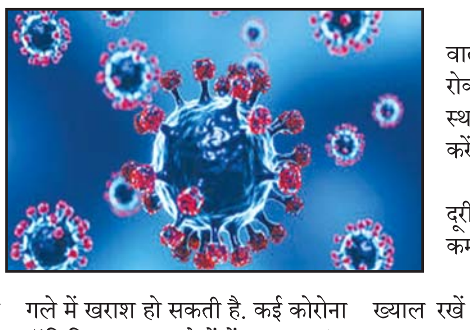

अमेरिका में कोरोना के फिर से नए के मामले देखने को मिल रहे हैं. रोग नियंत्रण और रोकनाम केंद्र ने बताया है कि देश में कोविड के नए वैरिएंट (केपी.3 कोविड स्ट्रेन) का पता चला है. इसका नाम केपी.3 है. अमेरिका में 25 प्रतिशत से अधिक कोरोना पीड़ितों में ये पाया गया है. ये नया वैरिएंट पहले के जेएन.1 वैरिएंट से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है. जानकारी के मुताबिक, न्यू केपी 3 वैरिएंट ओमिक्रॉन वैरिएंट से निकला है. विशेषज्ञों का कहना है कि वैक्सीन केपी 3 वैरिएंट के खिलाफ कारगर साबित हो रहे हैं.

इस वैरिएंट के हल्के से लेकर गंभीर लक्षण हो सकते हैं. सामान्य लक्षणों में बुखार, सूखी खांसी और थकान शामिल हैं, इसके बाज जोड़ो में दर्द, सिरदर्द और गले में खराश हो सकती है. कई कोरोना पॉजिटिव पाए गए लोगों में स्वाद या गंध का खोना वायरस के विशिष्ट लक्षण हो सकते हैं. इसके अलावा उल्टी और दस्त जैसे गैस्ट्रोंइटेस्टाइनल लक्षण भी देखे गए है. किसी भी तरह के वायरस को फैलने से रोकने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है. जैसे साफ-सफाई को पूरा ध्यान रखें.

खांसते और छींकते समय अपने मुंह और नाक को अच्छे से ढक कर रखें.

मुंह और नाक से निकलने वाले ड्रॉपलेट्स को फैलने से रोकने के लिए सार्वजनिक स्थान पर मास्क का इस्तेमाल करें.

जितना संभव हो शारीरिक दूरी बनाए रखें और दूसरों से कम से कम 6 फीट की दूरी रखें.

साफ सफाई का खास ख्याल रखें और साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोते रहे.

बाहर के फलों और सब्जियों को अच्छे से धोकर ही बनाए और खाएं.

वायरस के खिलाफ 60 परसेंट अल्कोहल वाले सैनिटाइजर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं.

अगर आप बीमार हैं या आप में कोरोना के कोई लक्षण नजर आ रहे हैं तो बाहर जाने से बचे और लोगों से संपर्क करें.

नीट पेपर लीक मामला

ईओयू का बड़ा एक्शन, पटना में 9 स्टूडेंट्स को भेजा नोटिस, अबतक 19 गिरफ्तार

नईदिल्ली | आरएनएस

मेडिकल फील्ड में करियर बनाने वालों के लिए सबसे महत्वपूर्ण मानी जाने वाली एंट्रेंस एग्जाम नीट को लेकर इन दिनों माहौल गर्माया हुआ है. पेपर लीक से लेकर स्टूडेंट्स के करियर तक कई तरह के सवाल इस परीक्षा को लेकर उठे हैं. मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है. इस बीच इस मामले में लगातार नए अपडेट भी सामने आ रहे हैं. इसी कड़ी में आर्थिक अपराध इकाई यानी ईओयू का बिहार में बड़ा एक्शन देखने को मिला है. दरअसल नीट एग्जाम में पेपर लीक को लेकर बिहार से कनेक्शन सामने आया है. इस कनेक्शन के चलते अब तक यहां से 14 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. यही नहीं शनिवार को भी इओयू ने 9 परीक्षार्थियों को नोटिस भेजा है. इन सभी परीक्षार्थियों से सबूत के साथ दफ्तर आने को कहा गया है.

दरअसल बिहार की राजधानी पटना में एक घटना से सबका ध्यान नीट पेपर लीक की तरफ खींचा. यहां सॉल्वर गिरोह ने एक प्राइवेट स्कूल में कुछ स्टूडेंट्स को प्रश्नपत्र को रटवाया था. इसी स्कूल से जले हुए प्रश्नपत्रों को यानी एग्जाम पेपर के टुकड़े भी मिले थे. इसके बाद पटना से नीट एग्जाम में पेपर लीक की बातें सामने आने लगीं. इस मामले में ईओयू की ओर से एक्शन लिया गया और अब तक सिर्फ बिहार से ही 14 लोगों को इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है.

पेपर लीक के तार अकेले बिहार के पटना से नहीं जुड़े बल्कि इसका कनेक्शन गुजरात के गोधरा से भी मिला है. यहां के पंचमहल जिले में कुछ लोगों को आरोप हैं कि उन्होंने 27 स्टूडेंट्स से 10 लाख रुपए की रिश्वत लेकर नीट-यूजी एग्जाम पास कराने में मदद की. इसके चलते अब तक गुजरात से भी 5 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है. यानी इस मामले में अब तक 19 लोग अरेस्ट किए जा चुके हैं.

गोधरा के एक स्कूल में हुई धांधली का खुलासा 9 मई को की गई एक एफआईआर के जरिए हुआ. दरअसल गोधरा के एक स्कूल में नीट-यूजी में 5 मई को हुई एग्जाम के दौरान सेंटर बनाया गया था. कलेक्टर को इससे जुड़ी एक शिकायत मिली कि एग्जाम में कुछ गड़बड़ी हुई है. जांच पड़ताल में पूरा मामला सामने आया था.

बिहार के पटना में पकड़े गए चार छात्रों से पूछताछ में बड़ा खुलासा हुआ है. इन छात्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि एग्जाम से चार घंटे पहले ही इन्हें प्रश्न पत्र मिल गया था. इसका प्रिंट आउट भी लेने के बाद इसे एक निजी स्कूल में ले जाकर स्टूडेंट्स को रटाया गया था. ईओयू के एक अधिकारी की मानें तो एनटीए की ओर से उन्हें जरूरी एग्जाम पेपर नहीं भेजे गए हैं, यही वजह है कि स्कूल से मिले जले हुए प्रश्न पत्र का मिलान अब तक नहीं किया जा सका है.

नीट पेपर लीक मामले को लेकर सियासत भी गर्मा चुकी है. विपक्षी दल कांग्रेस ने इसको लेकर मोर्चा खोल दिया है. आगामी संसद सत्र में कांग्रेस ने इस मुद्दे को जोर शोर से उठाने की बात कही है. दरअसल कोर्ट में भी इस मामले को लेकर कई याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं. कहीं एग्जाम रद्द करने तो कहीं दोबारा करने तो कहीं कुछ और मांगों के साथ याचिकाएं दायर की गई हैं. सुप्रीम कोर्ट और 7 हाई कोर्ट मिलाकर अब तक 41 याचिकाएं दाखिल की जा चुकी हैं. मामले कोर्ट में चल रहा है और 8 जुलाई को इस मामले में अगली सुनवाई होना है.

सिक्किम में भारी बारिश के बाद भूस्खलन, अब तक 9 लोगों की मौत, सैकड़ों पर्यटक फंसे

गंगटोक | आरएनएस

पूर्वोत्तर के राज्य सिक्किम में इनदिनों भारी बारिश के चलते कई इलाकों में भूस्खलन हो रहा है. जिसके चलते अब तक नौ लोगों के मारे जाने की जानकारी सामने आई है. बताया जा रहा है कि उत्तरी सिक्किम के मंगन जिले में लगातार हो रही बारिश से बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ है. जिसके चलते 15 विदेशी नागरिकों समेत 1,200 से ज्यादा पर्यटक फंस गए हैं. एक अधिकारी के मुताबिक, भूस्खलन और भारी बारिश के चलते पर्वतीय राज्य में 9 लोगों की मौत हो गई है और संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है. इसके साथ ही कई क्षेत्रों में सडक़ संपर्क टूट गया है.

भारी बारिश और भूस्खलन से बिजली और खाद्य आपूर्ति तथा मोबाइल नेटवर्क भी बाधित हुआ है. राज्य के पर्यटन एवं नागर विमानन विभाग के प्रधान सचिव सी एस राव ने कहा कि, रिपोर्ट के मुताबिक भारी बारिश और भूस्खलन के चलते सडक़ अवरुद्ध हो गई है जिससे करीब 1,200 घरेलू और 15 विदेशी पर्यटक मंगन जिले के लाचुंग में फंस गए हैं. इनमें थाईलैंड के दो, नेपाल के तीन और बांग्लादेश के 10 पर्यटक शामिल हैं.

वहीं प्रशासन भी पूरी घटना पर नजर बनाए हुए हैं. सिक्किम के सीएम प्रेम सिंह तमांग ने भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद स्थिति का जायजा लिया. इसके लिए उन्होंने मिंटोकगांग में एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई. बता दें कि पर्वतीय राज्य सिक्किम भूस्खलन से बुरी तरह से प्रभावित हुआ है.

कई राज्यों में भारी बारिश की आशंका, प्रचंड गर्मी के बीच मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नईदिल्ली | आरएनएस

दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्से में प्रचंड गर्मी पड़ रही है. वहीं दूसरी और पश्चिम की ओर से आने वाली हवाओं के चलते मानसून की रफ्तार धीमी हो गई है. जिसके चलते लोगों को मानसून बारिश का इंतजार करना पड़ रहा है. वहीं बंगाल की खाड़ी में दो हफ्ते पहले आए रेमल चक्रवात के असर से मानसून को मिली गति भी अब लगभग खत्म हो गई है. इस बीच मौसम विभाग ने देश के कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है.

भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, 10 जून के बाद मानसून की रफ्तार धीमी हो गई और ये आगे नहीं बढ़ पा रहा है. फिलहाल मानसून की स्थिति स्थिर बनी हुई है. हालांकि अच्छी बात ये है कि अब मानसून के आगे बढऩे के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनने लगी हैं. जिसके चलते आने वाले चार से पांच दिनों में मानसून फिर से रफ्तार पकड़ेगा और झमाझम बारिश होगी.

बता दें कि हमारे देश में जून से सितंबर के बीच मानसून की दो शाखाएं सक्रिय रहती हैं. एक शाखा बंगाल की खाड़ी से नमी लेकर आती है वहीं दूसरी अरब सागर की ओर से प्रवेश करती है. बंगाल की खाड़ी वाली शाखा अभी बेहद कमजोर पड़ गई है, लेकिन पश्चिमा शाखा अभी भी सक्रिय बनी हुई है.

फिलहाल दक्षिण-पक्षिम मानसून देश के कई राज्यों में सक्रिय है और इससे बारिश भी हो रही है. मौसम विभाग की मानें तो दक्षिण पश्चिम मानसून से गुजरात एवं राजस्थान के कुछ इलाकों के अलावा दक्षिणी राज्यों में अच्छी बारिश हो रही है. जबकि पूर्वी शाखा सबसे ज्यादा क्षेत्र को प्रभावित करती है. इसके सुस्त पड़ जाने से देश की औसत बारिश पर बड़ा असर पड़ रहा है.

मौसम विभाग के मुताबिक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, पश्चिमी बंगाल और बिहार के पूर्वी भाग में अगले कुछ दिनों में भारी बारिश होने की संभावना है. मौसम विभाग का कहना है कि यहां दक्षिणी-पश्चिमी मानसून के आगे बढऩे के लिए स्थितियां अनुकूल होने लगी हैं. जिसके चलते अगले चार से पांच दिनों में बंगाल, सिक्किम एवं पूर्वोत्तर भारत में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है. वहीं पूर्वी मानसून भी गति पकड़ सकता है, इसके बाद ये बिहार और झारखंड के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश में आगे बढ़ सकता है.

वहीं राजधानी दिल्ली में इनदिनों प्रचंड गर्मा का कहर देखने को मिल रहा है. स्काइमेट वेदर के मुताबिक, पश्चिमी हवाओं की गति तेज है, जो बंगाल की खाड़ी से नमी लेकर आ रही पूर्वी हवाओं को उत्तर-पश्चिम में आगे बढऩे से रोक रही हैं. जब हवा की दिशा बदलेगी तभी मानसून आगे बढ़ेगा. जब मानसून एक बार गति पकड़ लेगा तब ये तेजी से आगे बढ़ेगा. जिससे बारिश होगी. दक्षिण पश्चिम मानसून के इस महीने यानी जून के आखिर तक दिल्ली पहुंचने की संभावना है. जिससे दिल्ली के अलावा हरियाणा और पश्चिमी यूपी में बारिश होगी.